मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 207, मुंबई, सोमवार, 26 अक्टूबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

दशहरा रैली में गरजे उद्धव

शिवाजी पार्क में नहीं हुई रैली

पार्टी की दशहरा रैली पारंपरिक रूप से शिवाजी पार्क मैदान में होती आई है, लेकिन कोरोना के कारण पहली बार दशहरा रैली ऑडिटोरियम में हुई। पार्टी के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। बता दें कि महाराष्ट्र में उद्धव सरकार ने राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक सभाओं पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, जिसके तहत कोरोना के सुरक्षा प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए दशहरा रैली ऑडिटोरियम में आयोजित करने का फैसला किया गया था।

राउत ने कहा- 25 साल महाराष्ट्र में सरकार चलाएंगे

रैली में शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत भी मौजूद थे। राउत ने कहा- महाराष्ट्र की सरकार 5 साल पूरे करेगी। दरअसल, हम 25 साल तक शासन करेंगे। अब से हर चीज 'महा' होगी। महा अघाड़ी, महाराष्ट्र। अगर ये 'महा' दिल्ली तक पहुंच जाए तो चौंकिएगा नहीं। पिछले साल मैंने कहा था कि इस साल महाराष्ट्र में शिवसेना का मुख्यमंत्री होगा और देखिए, यह हो गया।

बीएमसी चुनाव एक साथ लड़ेंगे महाविकास अघाड़ी के सहयोगी दलः संजय राउत

भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन में विधानसभा चुनाव लड़ने वाली शिवसेना ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर प्रदेश में सरकार बनाई थी। अब महाविकास अघाड़ी कहे जाने वाले इस गठबंधन के बीएमसी चुनाव भी साथ लड़ने की संभावना है। शिवसेना नेता संजय राउत ने रविवार को इसकी पुष्टि भी की है। सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महाविकास आघाड़ी गठबंधन (एमवीए) के सहयोगी साल 2022 में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) का चुनाव एक साथ लड़ेंगे।

उद्धव बोले- भाजपा बिहार में फ्री वैक्सीन देने की बात कर रही है, बाकी देश क्या पाकिस्तान और बांग्लादेश है

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे रविवार को शिवसेना की दशहरा रैली में शामिल हुए। इस दौरान उद्धव ने बिहार चुनाव और भाजपा के वादों पर बात की। उद्धव ने कहा कि आप (भाजपा) बिहार में फ्री वैक्सीन देने की बात कर रहे हैं, बाकी देश क्या बांग्लादेश और पाकिस्तान है। उद्धव ने कहा- इस तरह की बातें करने वालों को खुद पर शर्म आनी चाहिए। आप केंद्र में हैं। उद्धव ठाकरे ने भाजपा को चुनौती भी दी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

प्रधानमंत्री पुरानी टैक्स व्यवस्था लागू करें: उद्धव

महाराष्ट्र के सीएम ने कहा, जीएसटी फेल हो गया। प्रधानमंत्री इस बात को मानें और पुरानी टैक्स व्यवस्था लागू करें। जो लोग बिहार के बेटे के लिए इंसाफ मांग रहे हैं, वो महाराष्ट्र के बेटे (आदित्य ठाकरे) का चरित्र हनन करने में लगे हुए हैं।

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

कोर्ट ने टीवी एक्ट्रेस प्रीतिका को 8 नवंबर तक भेजा न्यायिक हिरासत में

एनसीबी ने ड्रग्स मामले में रंगे हाथ किया था गिरफ्तार

कई टीवी सीरियल में काम कर चुकी हैं प्रीतिका

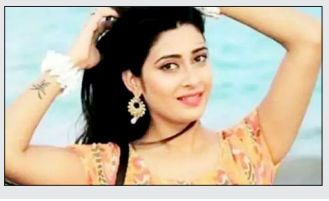

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में ड्रग्स एंगल पर जांच कर रही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने नए ड्रग्स रैकेट का खुलासा किया है। एनसीबी ने इस मामले में टीवी एक्ट्रेस प्रीतिका चौहान समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रीतिका कई टीवी सीरियल में भी काम कर चुकी हैं। एनसीबी ने प्रीतिका समेत एक अन्य आरोपी को शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया। जहां से दोनों आरोपियों 8 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हमारी आलोचना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत की जो आलोचना की है, वह न सिर्फ दुखद, बल्कि शुद्ध रूप से राजनीति प्रेरित भी है। उन्होंने कहा है, 'चीन को देखो, कितना गंदा है। रूस को देखो, भारत को देखो, ये बहुत गंदे हैं, हवा गंदी है'। बेशक, इसमें भारत के साथ रूस और चीन को भी उन्होंने रखा है, लेकिन उनका भारत पर विशेष रूप से जोर देना बहुत लोगों को नागवार गुजरा है, तो कोई आश्चर्य नहीं। इसके पहले ट्रंप भारत को टैरिफ किंग भी बता चुके हैं। ट्रंप का ऐसा कहना, वहां की राजनीति में उनके विरुद्ध भी जा सकता है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाली सीधी बहस का यह आखिरी दौर था और इसमें भारत का नाम लेकर आलोचना करना और पर्यावरण संबंधी अपनी नीतियों का बेशर्म बचाव करने की कोशिश करना अनुचित ही नहीं, शर्मनाक भी है। अव्वल तो एकाधिक मौकों पर ट्रंप भारत और भारतीयों को अपना मित्र या सहयोगी बता चुके हैं। वह यह मानकर चल रहे हैं कि अमेरिका में उन्हें भारतीय मूल के अमेरिकियों के ज्यादा वोट मिलेंगे, लेकिन तब भी क्या उन्हें प्रदूषण या पर्यावरण के मामले में भारत की निंदा करनी चाहिए थी? क्या यह आलोचना का उचित अवसर था? क्या ट्रंप को इस बात का एहसास हो गया है कि भारतीय मूल के ज्यादातर अमेरिकी मतदाता डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बिडेन के पक्ष में मतदान करने वाले हैं? खैर, ट्रंप को अपने देश में ही तत्काल आलोचना का सामना करना पड़ा है। उनके बयान को भ्रामक करार दिया गया है, भारत भले ही प्रदूषित देशों में शुमार है, लेकिन जब जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार देशों की बात आती है, तो ट्रंप की टिप्पणी खरी नहीं उतरती। वस्तुस्थिति तो यह है कि जलवायु परिवर्तन के लिए अमेरिका बहुत हद तक जिम्मेदार है, लेकिन वह ट्रंप के नेतृत्व में अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़कर दूसरों को दोष दे रहा है। ट्रंप के मुंह से रूस और चीन की आलोचना तो समझ में आती है, लेकिन भारत को भी साथ रखना कूटनीतिक और व्यावहारिक रूप से भी गलत है। ट्रंप ने शायद अपना नुकसान कर लिया है। उन्हें यह परवाह नहीं है कि उनका देश भारत के साथ रणनीतिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ चुका है और ऐसे में, भारत को आलोचना का निशाना बनाना हर प्रकार से अनुचित है। जाहिर है, ट्रंप द्वारा किए गए प्रहार के बाद अब डेमोक्रेट पूरी तरह से भारत के पक्ष में खड़े दिख रहे हैं, उन्होंने कहा है कि ट्रंप हमारे दक्षिण एशियाई समुदाय की जीवंतता, सुंदरता और विविधता का सम्मान नहीं करेंगे। अमेरिका में बड़ी संख्या में ऐसे भारतीय मूल के नागरिक होंगे, जो ट्रंप से दूर चले जाएंगे। भारत को आधिकारिक रूप से अमेरिकी राजनीति में नहीं पड़ना चाहिए, लेकिन भारतीय विशेषज्ञों को यह बात जोर देकर बतानी चाहिए कि जलवायु परिवर्तन में भारत या किस देश का कितना योगदान है। साथ ही, यह सही समय है, जब भारत अपनी कोशिशों पर गौर करें और ज्यादा व्यावहारिक बने। दुनिया के प्रदूषित देशों में हमारी गिनती ज्यादा समय तक नहीं होनी चाहिए। अपने तेज विकास के लिए युद्ध स्तर पर प्रदूषण का उपचार करना जरूरी हो गया है। पराली की गंदगी से घिरी राष्ट्रीय राजधानी की हमें सबसे पहले चिंता करनी चाहिए। हम दुनिया को आलोचना का मौका कब तक देते रहेंगे?

प्रदूषण के खिलाफ कमजोर लड़ाई

सर्दियों की आहट आते ही एक बार फिर उत्तर भारत प्रदूषण की गिरफ्त में आने लगा है। दशकों से चला आ रहा यह सिलसिला इस बार भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। उत्तर भारत में वायु प्रदूषण की मार शासन-प्रशासन की घोर लापरवाही को ही इंगित करती है। जब कोविड महामारी के इस दौर में डॉक्टर इसके लिए आगाह कर रहे हैं कि बढ़ता वायु प्रदूषण लोगों की सेहत पर पहले से कहीं अधिक बुरा असर डालेगा, तब यह बेहद चिंताजनक है कि उस पर लगाम लगती नहीं दिख रही है। लोग कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने को लेकर तो सतर्क हो सकते हैं, लेकिन आखिर वायु प्रदूषण से कैसे बचें? प्रधानमंत्री मोदी ने हाल में देश के नाम संबोधन में लोगों को आगाह किया कि लॉकडाउन समाप्त हुआ है, कोरोना नहीं। उन्होंने यह चेतावनी शायद इसीलिए दी, क्योंकि यह आशंका बढ़ रही है कि बढ़ते वायु प्रदूषण से कोरोना का संक्रमण और खतरनाक हो सकता है। आखिर ऐसा क्यों है कि सरकारें वायु प्रदूषण को नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं? पराली यानी फसलों के अवशेष जलाने की समस्या आज की नहीं, बल्कि पिछले दो दशकों से चली आ रही है। पहले सरकारें इससे मुंह छिपाती थीं और यह मानने को तैयार नहीं होती थीं कि उत्तर भारत में अक्टूबर और नवंबर में वायु प्रदूषण बढ़ने के पीछे पराली का धुआं है, लेकिन अब वे ऐसा मानने लगी हैं। बावजूद इसके वे पराली को जलने से रोक नहीं पा रही हैं। लगता है कि उनमें इसे लेकर कोई दिलचस्पी ही नहीं। आंकड़े बताते हैं कि पिछले

साल के मुकाबले इस साल कहीं अधिक पराली जलाई जा रही है। इन दिनों इस पर बहस हो रही है कि दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण में पराली के धुएं का योगदान कितना है? इसे 10 से 20 प्रतिशत तक आंका जा रहा है। यह हवा के रुख पर निर्भर कर रहा है। प्रदूषण के पीछे पराली के साथ-साथ सड़कों और निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल की भी भूमिका है, लेकिन उसे नियंत्रित करने की कोई योजना नहीं नजर आती। धूल के कण धुएं के साथ मिलकर स्मॉग बढ़ाते हैं और यही जानलेवा साबित होता है। पराली के धुएं और धूल के साथ वाहनों का उत्सर्जन भी हवा को जहरीला बनाता है। यह अच्छा है कि भारत सरकार ने जोर देकर बीएस-6 मानक वाले वाहनों को लागू कर दिया है। चूंकि अभी इसकी शुरूआत हुई है, इसलिए उसका असर चार-पांच साल बाद ही दिखाई देगा। शायद इसी को ध्यान में रखकर पिछले दिनों पर्यावरण मंत्री ने कहा कि चार-पांच साल में उत्तर भारत प्रदूषण से मुक्त हो जाएगा। यह सुनने में जरूर अच्छा लग रहा है, लेकिन अगर पराली का जलना नहीं रुका और सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने का कोई उपाय नहीं किया गया तो हालात ऐसे ही बने रह सकते हैं। हालात बदलने के लिए शासन-प्रशासन में इच्छाशक्ति की कमी के चलते ऐसा लगता नहीं कि उत्तर भारत को प्रदूषण से छुटकारा मिलेगा। जो भी हो, प्रदूषण की रोकथाम अकेले सरकार और नौकरशाही का ही काम नहीं। देश की जनता को भी इसमें सहयोग देना होगा। आम लोग प्रदूषण के नुकसान से तो परिचित हो रहे हैं, लेकिन उन तौर-तरीकों को रोकने के लिए सजग नहीं, जो हवा को जहरीला बनाते हैं। यह एक तथ्य है कि किसान पराली जलने से होने वाले नुकसान से परिचित होने के बाद भी उसे जलाते हैं। इसी तरह कुछ लोग कूड़ा-करकट या फिर पत्तियां जलाने का काम करते हैं। इसी तरह लोग भवन निर्माण के दौरान इसके उपाय नहीं करते कि धूल न उड़ने पाए। जो उपाय किए भी जाते हैं, वे दिखावटी ही होते हैं। यदि आम लोग प्रदूषण की रोकथाम में सहयोग नहीं देंगे तो फिर शासन-प्रशासन की कोशिश भी कामयाब नहीं होने वाली। जिस तरह पराली को जलाए जाने से रोका नहीं जा पा रहा है, उससे यह साफ है कि हमारे नेतागण जनमानस के सामने घुटने टेकने में ही अपनी भलाई समझते हैं। वे किसानों ही नहीं, वोट बैंक के लालच में प्रदूषण फैलाने वाले अन्य लोगों के साथ भी ऐसा ही करते हैं। आखिर क्या कारण है कि आम जनता प्रदूषण की रोकथाम के मामले में अपने दायित्वों को समझने के लिए तैयार नहीं? निःसंदेह लोगों में चेतना आ रही है, लेकिन अभी वह एक सीमित स्तर पर ही है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि शासन-प्रशासन अपनी सक्रियता बढ़ाए और उन लोगों पर सख्ती करे, जो जानबूझकर गलत काम करने के आदी हो चुके हैं। वायु प्रदूषण की मार शहरी इलाकों में अधिक है और वहीं उसके प्रति ज्यादा लापरवाही देखने को मिल रही है। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि शहरों में सड़कों पर अतिक्रमण सख्ती से रोका जाए, क्योंकि उसके कारण यातायात जाम होता है और जब ऐसा होता है तो वाहनों की गति धीमी हो जाती है और वे कहीं अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। सड़कों पर अतिक्रमण एक ऐसी समस्या है, जिससे देश का हर शहर जूझ रहा है। मुश्किल यह है कि शहरों के सुनियोजित विकास और उनमें सुगम यातायात एजेंडे से बाहर दिखता है। सड़कों, पार्कों के किनारे बेतरतीब तरीके से खड़ी हुई गाड़ियां, फुटपाथ पर रेहड़ी-पटरी वालों के कब्जे ट्रैफिक जाम का कारण बनते हैं, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के कारण इन समस्याओं का भी निदान होता नहीं दिखता।

मध्य प्रदेश 28 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव

मध्य प्रदेश में इन दिनों 28 सीटों पर हो रहे उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में शह और मात का खेल जारी है। इन सीटों पर जो सफल होगा उसके ही हाथों में मध्य प्रदेश की कमान होगी, इसलिए राजनेता आम चुनावों की तरह हर मोर्चे पर जूझ रहे हैं। यही कारण है कि वे वैचारिक लड़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक लड़ाई पर भी बिना संकोच फोकस कर रहे हैं। गड़े मुर्दे उखाड़े जा रहे हैं। जुबानी जंग इतनी तेज हो गई है कि शब्दों की मयार्दा का ध्यान ही नहीं है। एक-दूसरे के लिए गलत शब्दों का प्रयोग तक किया जा रहा है। इस जंग में कोई भी पीछे नहीं रहना चाहता। अब तक के चुनाव का जो नजारा सामने आया है, उसने मध्य प्रदेश की सियासत के बारे में कई प्रचलित धारणाओं को भी तोड़ा है। एक-दूसरे के प्रति उदार दिखते रहे बड़े नेता तक एक-दूसरे पर जुबानी हमले का मौका नहीं छोड़ना चाहते। नेताओं की इस जुबानी जंग के कारण ही उपचुनाव से विकास के मुद्दे गायब हो गए हैं। माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश में हो रहे उपचुनाव कोई साधारण उपचुनाव नहीं हैं। इसका परिणाम बताएगा कि सत्ता पर भाजपा की पकड़

मजबूत होगी या कांग्रेस सरकार में पुनर्वापसी करने में सफल होगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा की जमीनी पकड़ का भी पता चलेगा। यह भी तय होगा कि कमल नाथ के भरोसे राज्य में जमीन मजबूत करने का कांग्रेस का दांव कितना सफल होगा। सर्वाधिक कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे से रिक्त इन सीटों पर कब्जा जमाने के लिए भाजपा कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है। कांग्रेस भी इस गुमान में है कि पिछले चुनाव में जीती गई इन सीटों पर उसे जनता की सहानुभूति मिल सकेगी। कौन कितने पानी में है इसका फैसला मतदाताओं को करना है। वे टकटकी लगाकर दलों के वादे-इरादे देख-सुन रहे हैं। यह चुनाव राजनीतिक दलों के साथ-साथ नेताओं के भविष्य की दशा और दिशा भी तय करेगा, इसलिए कोई भी इसमें कमी नहीं छोड़ना चाहता है। उपचुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस नेताओं के बीच जुबानी जंग 15 साल बनाम 15 माह, कर्जमाफी जैसे मुद्दों तक सीमित थी। बाद में उपचुनाव का प्रचार जैसे-जैसे गति पकड़ता गया, नेताओं के बोल भी बिगड़ते गए। नेताओं में एक-दूसरे के प्रति निम्न स्तरीय भाषा का प्रयोग करने की होड़-सी लगी है। विवादित बयानों का पहला तीर मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष दिनेश गुर्जर ने छोड़ा। उन्होंने शिवराज को भूखा-नंगा कहते हुए कमल नाथ को देश में दूसरे नंबर का उद्योगपति बता दिया। इसको भाजपा ने अवसर की तरह लिया और हर चुनावी सभा में कांग्रेस के इस बयान का जवाब विभिन्न तरीके से दिया जा रहा है। अनेक उपमाएं गढ़ी जा रही हैं। कांग्रेस की ओर से शकुनि और कंस मामा जैसे जुमले भी उछाले गए हैं। शिवराज ने कमल नाथ को कठघरे में खड़ा करते हुए सवाल किया कि मिस्टर 15 परसेंट किसे कहा जाता है।

क्यूआर कोड दिखाओ, सिद्धिविनायक के दर्शन पाओ, नई व्यवस्था के लिए मंदिर प्रबंधन खर्च कर रहा है 2 करोड़ रुपये

मुंबई। सिद्धिविनायक मंदिर के दर्शन के लिए मंदिर प्रबंधन अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करने जा रहा है। यह व्यवस्था कोरोना संक्रमण से बचाव को ध्यान में रखकर बनाई गई है। नई व्यवस्था के तहत भक्तों को मंदिर परिसर में प्रवेश पाने के लिए क्यूआर कोड दिखाना होगा। साथ ही उन्हें मास्क फेस डिटेक्शन मशीन से गुजरना होगा। बिना मास्क के मशीन मंदिर में प्रवेश नहीं देगी। मंदिर परिसर में एक साथ सिर्फ 200 भक्त ही दर्शन कर सकेंगे। भक्तों की संख्या

बढ़ने पर कम्प्यूटर प्रवेश द्वार नहीं खोलेगा। नई व्यवस्था के लिए मंदिर प्रबंधन 2 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। देश में पहली बार किसी मंदिर ने इस तरह की तकनीक का इस्तेमाल किया है। गौरतलब है कि कोरोना संकट के कारण पूरे महाराष्ट्र में प्रार्थना स्थल बंद हैं। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने 28 अगस्त को सिद्धिविनायक मंदिर का ऐप लॉन्च किया था, ताकि भक्त ऑनलाइन दर्शन कर सकें। इस ऐप से हजारों की तादाद में भक्तों ने दर्शन किए और आज भी कर रहे हैं, लेकिन अब नई अत्याधुनिक तकनीक से दर्शन की व्यवस्था मंदिर प्रबंधन करने जा रहा है।

हर भक्त को मिलेगा यूनिक नंबर: अब तक परंपरा के अनुसार, सिद्धिविनायक मंदिर में प्रवेश करने वाले भक्तों की तलाशी सुरक्षाकर्मी लेते थे, लेकिन अब यह काम कम्प्यूटर संचालित होगा। भक्तों के मास्क नहीं लगाने पर मशीन नहीं खुलेगी। मास्क मशीन से आगे बढ़ने पर भक्त को शरीर का तापमान मशीन द्वारा चेक कराना होगा। शरीर का टेंपरेचर नॉर्मल नहीं होने पर मशीन भक्तों को प्रवेश नहीं देगी। मंदिर आने वाले हर एक भक्त को एक यूनिक नंबर दिया जाएगा। मंदिर में दर्शन करने के लिए पहले सिद्धिविनायक मंदिर ऐप पर जाकर खुद का रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

मशीनें रखेंगी भीड़ पर नजर: मंदिर परिसर में भक्तों की संख्या पर ऑटोमेटिक मशीनें नजर रखेंगी। एक बार में केवल 200 भक्तों को ही प्रवेश मिलेगा। भक्तों की संख्या बढ़ने पर प्रवेश द्वार नहीं खुलेगा, जब तक कि वहां पर उपस्थित 200 भक्तों में से कोई बाहर नहीं निकलता। यानी जितने भक्त बाहर निकलेंगे, उतने ही भक्तों को प्रवेश मिलेगा।

मीडिया का अब 'अत्यधिक ध्रुवीकरण' हो गया है: बम्बई उच्च न्यायालय

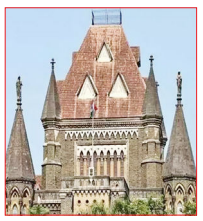

मुंबई। बम्बई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि मीडिया का 'अत्यधिक ध्रुवीकरण' हो गया है और समय के साथ बदल गया है जबकि पत्रकार अतीत में 'तटस्थ' हुआ करते थे। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले की रिपोर्टिंग में 'मीडिया ट्रायल' का आरोप लगाने वाली जनहित याचिकाओं (पीआईएल) की सुनवाई करते हुए अदालत ने यह भी कहा कि यह नियंत्रण का नहीं बल्कि काम में संतुलन कायम करने का सवाल है। सुनवाई के दौरान मामले की जांच कर रहे केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उच्च न्यायालय को बताया कि उसने मामले से जुड़ी कोई भी जानकारी मीडिया में लीक नहीं की थी। सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल अनिल सिंह ने कहा कि जून में अभिनेता की मौत से संबंधित मामलों की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय और स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने भी कोई सूचना लीक नहीं की थी। उन्होंने कहा कि सभी तीनों केन्द्रीय एजेंसियों ने अदालत में हलफनामे दायर किये थे जिनमें कहा गया था कि उन्होंने जांच-संबंधी किसी भी जानकारी को लीक नहीं किया है। सिंह ने कहा, हम अपनी जिम्मेदारियों को जानते हैं और किसी भी एजेंसी द्वारा जानकारी लीक करने का कोई सवाल ही नहीं है। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

हेल्मेट नहीं लगाने को लेकर रोके जाने पर महिला ने यातायात पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की

मुंबई। दक्षिण मुंबई के कल्बादेवी क्षेत्र में बिना हेल्मेट लगाए दोपहिया वाहन से जा रही एक महिला ने रोके जाने पर यातायात पुलिस के एक जवान की कथित रूप से पिटाई कर दी। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर फैलने के बाद शिवसेना नेता संजय राउत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने ट्वीट किया कि संबंधित महिला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए क्योंकि यह मुंबई पुलिस के सम्मान का विषय है। उन्होंने इसे महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख को भी टैग किया। अधिकारी ने बताया कि कल्बादेवी के कॉटन एक्सचेंज नाका पर शुक्रवार को यातायात पुलिस के कांस्टेबल एकनाथ पारठे ने एक दो-दोपहिया वाहन को रोका जिसकी पिछली सीट पर एक

महिला बिना हेल्मेट लगाए बैठी थी। उन्होंने बताया कि जुर्माने को लेकर बहस छिड़ गयी और महिला कांस्टेबल से कथित रूप से मार-पीट करने लगी। वीडियो में महिला यह दावा करती हुई नजर आ रही है कि कांस्टेबल ने उसके साथ गाली-गलौज की जबकि कांस्टेबल इसका खंडन करते हुए दिख रहा है। जब पारठे के साथ कथित रूप से मार-पीट की जा रही थी, उसी बीच भीड़ वहां जुट गयी और कुछ लोगों ने मोबाइल फोन पर इस घटना की रिकार्डिंग कर ली। अधिकारी के अनुसार बाद में महिला पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचीं और फिर आरोपियों-साद्विका रमाकांत तिवारी (30) एवं उसके साथी मोहसिन खान (26) को लोकमान्य तिलक मार्ग थाने ले जाया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ भादंसं की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस बीच पुलिस ने एक बयान जारी करके कहा कि पारठे ने गंदी भाषा का इस्तेमाल नहीं किया था और वह बड़ी शालीनता से आरोपियों के साथ पेश आये थे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

दशहरा रैली में गरजे उद्धव

उन्होंने कहा- एक साल हो गया मुझे मुख्यमंत्री बने। जिस दिन मैं मुख्यमंत्री बना था, उसी दिन से कहा जा रहा था कि महाराष्ट्र की सरकार गिर जाएगी। मैं उन लोगों को चुनौती देता हूं कि अगर आप में दम हो तो ऐसा करिए और दिखाइए। उन्होंने कहा- हमसे हिंदुत्व के बारे में सवाल किए जा रहे थे। पूछा जा रहा था कि महाराष्ट्र में मंदिर दोबारा क्यों नहीं खोले जा रहे हैं। वो लोग कह रहे थे कि मेरा हिंदुत्व बाला साहब ठाकरे के हिंदुत्व से अलग है। मैं कहता हूं कि आपका हिंदुत्व मंदिर की घंटियां और चीजें बदलने तक ही है और हमारा हिंदुत्व इस तरह का नहीं है। जो हमारे हिंदुत्व पर सवाल उठा रहे हैं, वो दुम दबाकर बैठे हुए थे, जब बाबरी मस्जिद ढहाई गई थी। महाराष्ट्र के सीएम ने कहा, जीएसटी फेल हो गया। प्रधानमंत्री इस बात को मानें और पुरानी टैक्स व्यवस्था लागू करें। जो लोग बिहार के बेटे के लिए इंसाफ मांग रहे हैं, वो महाराष्ट्र के बेटे (आदित्य ठाकरे) का चरित्र हनन करने में लगे हुए हैं। कंगना पर निशाना साधते हुए सीएम उद्धव ने कहा कि आज हम दस चेहरे का प्रतीकात्मक रावण जलाते हैं। एक चेहरे का कहना है कि मुंबई पीओके है। मैं कहना चाहूंगा कि अनुच्छेद-370 हट चुका है। अगर हिम्मत करो तो वहां एक जमीन खरीदने की हिम्मत करो। आप यहां रोजगार के लिए आते हैं और मुंबई को बदनाम करते हैं। मुंबई पुलिस को बदनाम क्यों किया? ये वही पुलिस है जिसने आपको बचाने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। पीओके के साथ मुंबई की तुलना पीएम नरेंद्र मोदी का अपमान है।

कोर्ट ने टीवी एक्ट्रेस प्रीतिका को 8 नवंबर तक भेजा न्यायिक हिरासत में

इससे पहले एनसीबी ड्रग्स मामले में 23 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। एनसीबी ने शनिवार को मुंबई के वर्सोवा से आरोपी प्रीतिका चौहान और फैजल शेख को गिरफ्तार किया था। एनसीबी ने इनके साथ ड्रग पैडलर तंजानिया के नागरिक ब्रूनो जॉन, रोहित हीरे के अलावा एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। एनसीबी ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों से नशीले पदार्थ और नकद रुपए भी बरामद किए हैं। प्रीतिका चौहान हिमाचल प्रदेश की रहने वाली हैं। 2015 में इन्होंने अपने करियर की शुरूआत की थी। प्रीतिका 'संकट मोचन हनुमान', 'सावधान इंडिया' और 'जगत जननी मां वैष्णो देवी' जैसे टीवी सीरियल में काम कर चुकी हैं। बॉलीवुड में ड्रग्स एंगल की जांच कर रहा एनसीबी एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, रकुलप्रीत सिंह और श्रद्धा कपूर से भी पूछताछ कर चुका है। टीम रिया चक्रवर्ती, उनके भाई शोविक, सुशांत के मैनेजर सैमुअल मिरांडा, दीपेश सावंत, ड्रग पैडलर जैद, बासित परिहार, धर्मा प्रोडक्शन के पूर्व प्रोड्यूसर क्षितिज, रवि प्रसाद समेत 23 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। एक महीने जेल में रहने के बाद रिया चक्रवर्ती फिलहाल जमानत पर हैं।

मॉल में लगी आग को 56 घंटे के बाद बुझाया गया

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के सिटी सेंटर मॉल में लगी आग को करीब 56 घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने रविवार तड़के बुझा दिया। अधिकारी ने बताया कि यह हाल के समय में शायद शहर का सबसे लंबा दमकल अभियान है। इस माह के शुरू में दक्षिण मुंबई के कटलरी बाजार में लगी आग को बुझाने में करीब 45 घंटे लगे थे। मध्य मुंबई के सिटी सेंटर मॉल की दूसरी मंजिल पर बृहस्पतिवार रात आठ बजकर करीब 50 मिनट पर आग लग गई थी। एक दमकल कर्मी ने बताया, यह स्तर-पांच (भीषण) आग थी और इसे रविवार सुबह करीब पांच बजे बुझा दिया गया। उन्होंने बताया कि अभियान में दमकल के करीब 14 इंजन और 17 बड़े टैंकरों का इस्तेमाल किया गया। अधिकारी ने बताया कि जगह को ठंडा करने का अभियान चल रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पांच दमकल कर्मी जख्मी हो गए, लेकिन उनकी स्थिति स्थिर है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। अधिकारी ने बताया कि आग को पहले मामूली माना गया था लेकिन बाद में यह इमारत के अन्य हिस्सों में भी फैल गई और इसने भीषण रूप अख्तियार कर लिया। उन्होंने बताया कि पड़ोस के एक आवासीय परिसर से एहतियाती उपाय के तहत 3500 से ज्यादा लोगों को निकाला गया था।

मुस्लिम सेवा संघ उत्तर प्रदेश अध्यक्ष नदीम कुरैशी के नेतृत्व में संगठन ने हज पर जीएसटी समाप्त करने और मक्का में हाजियों के रहने के लिए भारतीय भवन बनाये जाने को लेकर केंद्र सरकार को दिया ज्ञापन

मुस्लिम सेवा संघ उत्तर प्रदेश अध्यक्ष नदीम कुरैशी के नेतृत्व में संगठन ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को, जिला अधिकारी बरेली के माध्यम से एक ज्ञापन भेजा है, प्रदेश अध्यक्ष नदीम कुरैशी ने पत्र के मध्यम से प्रधानमंत्री से कहा कि हज यात्रा में सबसे अधिक करीब 70 हजार रुपए का खर्च मक्का व मदीना में रिहाईश में आता है यह रकम हर साल बढ़ती रहती है, भारत सरकार को सऊदी हुकूमत से बात कर मक्का व मदीना में अपने भवन बनाने चाहिए जिस तरहां हैदराबाद के निजाम व भोपाल के नवाब ने दोनों पवित्र स्थानो पर अपने अपने यहां के यात्रियों के ठहरने के लिए भवन बनाए है, इससे हज यात्रियों को होटलों में ठहरने के बदले दी जाने वाली मोटी रकम नही देनी पड़ती है हज कमेटी ऑफ इंडिया के पास 3 हजार करोड़ की एफडी है जिस पर प्रति वर्ष 73 करोड़ व्याज मिलता है मक्का व मदीना में इस रकम से भव्य भवन बनाये जा सकते हैं हज साल में शिर्फ एक बार होता है इसके लिए इदुलफितर से लेकर ईदुलजुहा तक यानी 3 महीने का समय लगता है वाकी समय मक्का व मदीना के भवनों में उमरा यात्रियों

को ठहराया जाए जिससे यात्रियों के साथ छल कपट करने वाले निजी टूर ऑपरेटरो पर भी लगाम लगेगी यात्रियों के सऊदी अरब पहुचने के बाद उनकी पूरी जिम्मेदारी भारतीय दुतावास की हो जाती है दुतावास के अधिकारी ही यात्रियों के ठहरने से लेकर वापसी तक पूरा इंतेजाम करते हैं अगर हज कमेटी ऑफ इंडिया की नियमावली में बदलाव कर दिया जाए तो यह काम हज कमेटी करेगी और इससे कम खर्च होगा मसलन प्रतेयक हज यात्रियों से मेट्रो का भाड़ा 9335 रुपए,व बस ट्रांसपोर्ट के नाम पर 509 रुपए लिए जाते है जबकी यात्री एक ही साधन का प्रयोग करता है इसी तरहां प्रत्येक यात्री से इजाफी इमरजेंसी खर्च के नाम पर 9868 रुपए लिए जाते है मदीना में रिहाईश के लिए बैड के नाम पर 3333 रुपए लिए जाते हैं जबकि अधिकतर यात्रियों की शिकायत होती है कि उनको बैड की सुविधा नही मिलती है इस रकम की वसूली नही की जानी चाहिए यात्रियों से बैड शीट बालटी व पीलोकवर के नाम पर 938 रुपए लिए जाते है जब कि यात्री यह समान अपने साथ लेकर जाते हैं, मिना में इजाफी खिदमात के नाम पर हर यात्री से 20 हजार रुपए लिए जाते हैं इसे बंद किया जाना चाहिए, इन सारे खर्चों के अलावा सरकार हर यात्री से करीब 20 हजार रुपए जी एस टी सर्विस चार्ज के रूप में लेती है चूंकि हज कमेटी नान प्रॉफिट वाली संस्था है इस लिए जी एस टी को खत्म किया जाना चाहिए। ज्ञापन देने वालो में नदीम कुरैशी, वसीम खान, इस्लाम कुरैशी, मोहसिन खान, मुजाहिद खान, अल्ताफ हुसैन, सलीम घोसी, नईम कुरैशी, गाजी पाशा, मो अफरोज, बन्ना, नाहिद खान, अकरम खान, जाहिद साबरी, मुन्ना आदि मौजूद रहे।

भिखारी को (खाना+पानी) तो देंगे पर एक भी रुपया भीख नहीं देंगे

मुंबई में एक अनोखा आंदोलन शुरू किया गया है 'किसी भी प्रकार के भिखारी को भीख न दे' और ये आंदोलन सही भी है, हम शपथ ले कि आज से भीख मांगते हुए किसी भी प्रकार के (स्त्री/पुरुष/बुजुर्ग/अपंग/बच्चे) भिखारी को (खाना+पानी) तो देंगे पर एक भी रुपया भीख नही देंगे। इससे होगा ये की 'अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय/ राज्यकीय स्तर पर भिखारियों' की टोली चलाने वाले की आर्थिक रूप से कमर टूट जाएगी एवं बच्चों के अपहरण जैसी वारदाते अपने आप बंद हो जाएंगी। गुनाहगारों की दुनिया से इस तरह के दलों का अंत हो सकेगा। ये सोच है अगर आप भी सहमत है तो इस अभियान से जुड़े।

काजूपाड़ा के गारमेंट में लगी भयानक आग

पत्रकार पवन पाठक ने जान पर खेलकर बचाई 20 महिलाओं की जान

मुंबई। मुंबई शहर में घनी बस्ती होने की वजह से आए दिन मकान गिरने और आगजनी की घटनाएं होती रहती। दुखद बात यह है कि आगजनी की घटनाओं में अधिकतर लोगों की जान चली जाती है। कुछ महीने पहले साकीनाका के जंगलेश्वर मंदिर रोड आशापुरा स्टेट में भयानक आग लग गई थी जिसमें 27 गाले जलकर राख हो गए थे। 2 वर्ष पूर्व साकीनाका के एक फरसाण के कारखाने में भयानक आग लगाई थी जिसमें करीब 10 लोगों की मौत हो गई थी। पूर्व साकीनाका के काजूपाड़ा गणेश मैदान में एक गारमेंट और इलेक्ट्रिक की फैक्ट्री में भयानक आग लग गई। जिस समय गारमेंट में आग लगी उस समय उसमें 20 मजदूर महिलाएं काम कर रही थी। कम पढ़ी-लिखी होने की वजह से महिलाओं को समझ में नहीं आ रहा था कि वह इस आग से कैसे बच कर बाहर निकले। आंख की भयानक लपटों धुंआ ने दुकान व आसपास के क्षेत्र में रूद्र रूप धारण कर लिया था जिसकी वजह से भय का वातावरण हो गया था। इसी दौरान प्रजाराज्यम स्वराज समाचार के पत्रकार पवन कुमार पाठक न्यूज लेने के लिए पहुंचे लेकिन जब उन्होंने महिलाओं को आग की लपटों से घिरे देखा तो पाठक न्यूज की रिपोर्टिंग छोड़कर जलती आग के बीच कारखाने में चले गए आस पास के रसोई गैस और सामानों को हटवाया और उन्होंने एका एक कार्य के सभी महिलाओं को कारखाने के बाहर निकाल कर उनकी जान बचाई। इस दौरान मौके पर पहुंचे विधायक दिलीप लांडे एवं नगरसेवक हरीश भींर्दे ने पवन कुमार पाठक के साहस की भारी प्रशंसा की। इस संदर्भ में संपर्क करने पर प्रतिक्रिया देते हुए पवन कुमार पाठक ने कहा है कि उन्होंने इंसान होने के नाते इंसानियत का धर्म निभाया है।

राष्ट्रीय पेयजल योजना के अनुसार नायगाव ग्रामीण पेयजल योजन शुभारंभ

संवाददाता

राष्ट्रीय पेयजल योजना के अनुसार नायगाव ग्रामीण पेयजल योजन शुभारंभ, सभी संवाददाता का सम्मान किया गया और छात्रों को पाठशाला साहित्य और सेनेटाइजर संसदरव संसद. डॉ. अमोल कोल्हेजी के हाथों से आदिवासी पारधी छात्र कु. ग्रीष्म तुकाराम भोसले इनको और उपस्थित सभी छात्रों शालेय साहित्य और सेनेटाइजर दिया गया। उस समय श्रीमान. प्रशांत शिर्के गटविकास अधिकारी हवेली, श्री मान. दिपक चव्हाण सरकल उरळी कांचन, श्रीमान. दिलीप वाल्हेकर, ग्रामसेवक राजगुरु मॅडम, तलाठी. गवारे और सरपंच, उपसरपंच उपस्थित थे। और सभी ग्रामपंच सदस्य और ग्रामपंचायत सदस्य श्रीमान. राजेंद्र रतन चौधरी सभी नामांकित लोगो कि उपस्थिती मे संपन्न हुआ।

ईद ए मिलाद उन नबी पर जुलूस ए मोहम्मदी या निकालने की इजाजत दी जाए

देशभर में तालाबंदी के बाद में अनलॉक की प्रतिक्रिया शुरू है भारत सरकार ने नई गाइडलाइन के अनुसार पूरे देश में मंदिर मस्जिद खोलने का धार्मिक कार्यक्रम करने की पूर्ण परवानगी दी हुई है उसके बावजूद महाराष्ट्र में कुरौना के सबसे ज्यादा पेशेंट होने की वजह से सरकार ने मंदिर मस्जिद और धार्मिक कार्यक्रम पर पाबंदी लगाई हुई है मगर पिछले एक दो हफ्तों से महाराष्ट्र में पेशेंट की कमी हुई है इस कारण संपूर्ण महाराष्ट्र धीरे-धीरे अनलॉक हो रहा है और महाराष्ट्र सरकार ने बहुत सारे निर्णय लिए हैं जैसे जीव और मॉल कॉलेज रेस्टोरेंट सिनेमा हॉल सारी चीजें खोलने की परवानगी दी हुई है। सरकार से मांग है कि 30 अक्टूबर को ईद ए मिलाद उन नबी निमित्त मुस्लिम समाज जुलूसए मोहम्मदिया का आयोजन करता आ रहा है और यह परंपरा बरसों से पूरी दुनिया में की जा रही है इसीलिए संविधानिक हक अनुस्वार कानून का पालन करते हुए महाराष्ट्र भर के अंदर जुलूसए मोहम्मदी निकालने की जुलूस निकालने की परवानगी दी जाए। समय सीरत उन नबी कमेटी के अध्यक्ष इमरान अशरफी सचिव आरिफ हुसैन माजी नगरसेवक हामिद सददा मौलाना इमदाद रजा मौलाना जुनेद रजा सूफी मोहसिन मेराज खान पठान अब्दुल अब्दुल रशीद बारी अमीन शेख रिजवान एसआर मतीन राज आदि उपस्थित थे।

नीतीश कुमार का चिराग पासवान पर पलटवार, बोले– किसी बच्चे को पब्लिसिटी मिले तो क्या बुराई

बिहार। नीतीश कुमार ने शराबबंदी वाले चिराग पासवान के बयान को लेकर उन्हें बच्चा कह दिया है। नीतीश कुमार ने कहा कि शराबबंदी को लेकर कुछ लोग मुझसे चिढ़ते हैं। ऐसे बयानों से किसी बच्चे को पब्लिसिटी मिल रही है तो क्या बुराई है। नीतीश ने चिराग पर तंज कसते हुए कहा कि मेरे खिलाफ बोलने से कोई आगे बढ़ता है तो अच्छी बात है। दरअसल, एनडीए से अलग चुनाव लड़ रहें चिराग पासवान

ने कल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोल दिया। उन्होंने कहा कि शराबबंदी की वजह से बिहार के बेरोजगारों को शराब तस्कर बनाया जा रहा है। चिराग ने ट्वीट करते हुए सीधा नीतीश कुमार पर वार किया और कहा कि नीतीश और उनके मंत्री अच्छे से जानते है कि बिहारियों को शराब तस्कर बनाया जा रहा है। चिराग पासवान ने ट्वीट किया, शराबबंदी के नाम पर बिहारीयों को तस्कर बनाया जा रहा है। बिहार कि माताएं-बहने अपनो को तस्कर बनते नहीं देखना चाहती। बिहार के मुख्यमंत्री के संग सभी मंत्रियों को पता है की बिहारी रोजगार के अभाव में शराब तस्करी के तरफ बढ़ रहा है लेकिन सब के सब को मानो सांप सूंघ लिया है।

अपने बयान पर कमलनाथ ने चुनाव आयोग को दिया जवाब– मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा

नई दिल्ली। बीजेपी की महिला उम्मीदवार इमरती देवी के खिलाफ किए गए आपत्तिजनक बयान को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को भेजे नोटिस का जवाब देते हुए कमलनाथ ने कहा कि उन्होंने कुछ भी आपत्तिजनक नहीं कहा, ना ही उनका मकसद किसी की छवि को नुकसान पहुंचाने का था। चुनाव आयोग को भेजे गए जवाब में कमलनाथ ने कहा कि बीजेपी की तरफ से जो शिकायत की गई है वह सिर्फ राजनीति से प्रेरित है वरना उनके बयान में ऐसा कुछ भी नहीं था जो आपत्तिजनक हो। कमलनाथ ने कहा कि अगर चुनाव आयोग उनके 18 अक्टूबर को दिए गए बयान को पूरा सुनेगा तो उसमें कहीं कुछ भी आपत्तिजनक नहीं लगेगा। जवाब में कमलनाथ ने कहा कि मेरा इरादा कभी भी किसी महिला के अपमान का बिल्कुल नहीं था। इतना ही नहीं मैंने उस बयान के अगले ही दिन अपने बयान पर खेद भी जताया था।

बुलढाणा हलचल

हम कार्यकर्ता के साथ कभी भी अन्याय नहीं होने देंगे, एनसीपी यूथ कांग्रेस की समीक्षा बैठक में पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे का आश्वासन

बुलढाणा। राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों में सबसे अग्रणी है, जिस पर मैं विशेष ध्यान देता हूं। मैंने यूथ कांग्रेस में भी काम किया है। अभिभावक मंत्री ने आश्वासन दिया कि वह कभी भी ईमानदार और निष्ठावान कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। एनसीपी यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए डॉ. राजेंद्र शिंगणे ने कहा। एनसीपी युवा कांग्रेस की एक समीक्षा बैठक आज यहां एनसीपी भवन में आयोजित की गई। राजेंद्र शिंगाने की प्रमुख उपस्थिति में पारित। उन्होंने इस बार की समीक्षा करते हुए उपरोक्त वक्तव्य दिया। इस समय पालक मंत्री डॉ. आगे बोलते हुए, राजेंद्र शिंगेन ने कहा कि वर्तमान में किसान गीले सूखे के कारण पीड़ित हैं। युवाओं को उनकी मदद के लिए आगे आना चाहिए। राज्य सरकार द्वारा घोषित योजनाओं

काजानकारी को आम जनता तक पहुंचाने का काम करेंसाथ ही, सरकार की योजंनाओं को उन्हें बताने में मदद करें। उन्होंने सुझाव दिया कि पार्टी के पदों का उपयोग जनता की भलाई के लिए किया जाना चाहिए। इस समय पदाधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि एकनाथराव खडसे के आने से पार्टी की ताकत बढ़ गई है और वह जल्द ही बुलदाना में अपना कार्यक्रम आयोजित करेंगे।आज मुझे चुने हुए एक साल हो गया है और इसमें बड़ी संख्या युवाओं की है। इसके कारण, मैं निर्वाचन क्षेत्र के सभी लोगों का ऋणी महसूस करता हूं। इस तरह की राजेंद्र शिंगाने द्वारा व्यक्त किया गया। बैठक में यूथ कांग्रेस के निरीक्षक ललित बागुल, संगीतराव भोंगल, मनोज दंडगे, देवेंद्र देशमुख, शांतनु बोन्द्रे, नितिन शिंगाने, विठ्ठल चव्हाण, समधन शिंगेन, शेखर बोंद्रे और अन्य राकांपा युवा कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

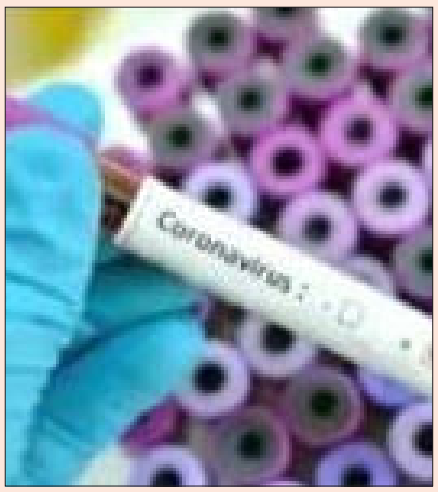

बुलढाणा जिले में गिरा संक्रमित लोगों का ग्राफ, 33 पॉजिटिव,101 मरीज डीस्चार्ज, 1 की मृत्यु

बुलढाणा। जिला में जितनी तेजी से कोरोना संक्रमितों मे वृद्धि हुई थी। उतनी ही तेजी से जिले मे मरीज से स्वस्थ होकर घर लौट रहे हैं। आज बुलढाणा सहित जिला भर में केवल 33 कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। कोरोना पॉजिटिव मरीज में कमी आने से जिला वासियों ने राहत की सांस ली है। इतवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार रैपिड एंटीजन टेस्ट किट द्वारा और परीक्षण के लिए प्रयोगशाला को भेजी गई रिपोर्टों से कुल 892 रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं। इनमें से 859 रिर्पोट कोरोना नेगेटिव और 33 रिपोर्ट पॉजिटिव थीं। प्राप्त सकारात्मक रिपोर्ट में 31 प्रयोगशाला रिपोर्ट और 3 रैपिड टेस्ट रिपोर्ट शामिल हैं। नकारात्मक रिपोर्ट में प्रयोगशाला से 25 रिपोर्ट और रैपिड टेस्ट से 8 रिपोर्ट शामिल हैं। इस प्रकार 859 रिपोर्ट नकारात्मक पाए गए हैं। साथ ही आज तक 40960 रिपोर्ट निगेटिव आई हैं। इसी तरह अब तक 8305 कोरोना संक्रमित मरीजों को नीगेटीव रीपोर्ट आने पर मेडिकल प्रोटोकॉल के अनुसार डिस्चार्ज किया गया है। आज, 2588 नमूने रिपोर्ट का इंतजार में हैं। अब तक, कुल नकारात्मक रिपोर्ट की संख्या 40969 है।जिले में आज कुल 9000 कोरोना रोगी थे। जिनमें से 8305 कोरोना रोगियों को चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार डिस्चार्ज किया गया है, क्योंकि उन्होंने कोरोना को मात दे दी है।वर्तमान में जिले के 574 कोरोना संक्रमित रोगियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसके अलावा, अब तक कोरोना बिमारी से 121 की मौत हो चुकी है, ऐसी जानकारी निवासी डिप्टी कलेक्टर दिनेश गीते ने दी है।

रामपुर हलचल

नगर के अंदर राइस मिलों की है भरमार, चारों तरफ मिलों से निकलने वाला प्रदूषण धान की भूसी से फैलता है, सांस लेने में समस्या

टाण्डा (रामपुर)। नगर के अन्दर राइस मिलों की है भरमार, चारों तरफ मिलों से निकलने वाला प्रदूषण धान की भूसी से फैलता है,सांस लेने में होती हैं अनेकों प्रकार की कठिनाईया,कोविड 19 महामारी को देखते हुए भी विभागीय अधिकारियों द्वारा नहीं किया जा रहा है नियंत्रण जानकारी होने के बावजूद बैठे हैं खामोश, सांठ गांठ के चलते बखूबी दिया जा रहा है अन्जाम, नगर के अन्दर आबादी के चारों तरफ राइस मिलों की भरमार के चलते राइस मिलों से निकलने वाली भूसी से चारों तरफ धूल भरा प्रदूषण फैलता नजर आ रहा है जो हवा में गंदा प्रदूषण वायरल होकर नगर वासियों को सांस लेने जैसी शुद्ध वातावरण को गन्दा कर रहा है प्रदूषण थमने का नाम तक नहीं ले पा रहा है राइस मिलों से निकलने वाली धान की भूसी का प्रदूषण धूल एवं गन्दे प्रदूषण का नजारा नगर की मकानों की छतों पर देखा जा सकता है जो हवा में फैलता हुआ सांस लेने में अनेकों प्रकार की बीमारियां पैदा कर खतरा मण्डराता दिखाई दे रहा है खतरनाक स्थिति को देखते हुए विभागीय सांठ गांठ के चलते उस पर रोक लगा पाना कठिन कार्य साबित हो पा रहा है जो अपनी अपनी जेबें गरम कर खामोश बैठे प्रदूषण का खुला नजारा देख रहे हैं प्रदूषण को नियंत्रण करने से संम्बधित कोई खास विशेष ध्यान न देकर कानून की खुलैआम धज्जियां उड़ाई जा रही है जिस पर प्रतिबंध लग पाना कठिन हो पा रहा है यही स्थिति रही तब प्रदूषण का सर्वे किया जाय मरीजों की संख्या बढ़ती हुई नजर आने की संभावना व्यक्त की जा सकती है।

अभियान के चलते नगर के अंदर अभी भी है आवारा कुत्तों की भरमार

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा। अभियान के चलते नगर के अन्दर अभी भी है आवारा कुत्तों की भरमार बच्चे व बड़ों के दिल में है कुत्तों के प्रति भय,व्याप्त, नगर के अन्दर अनेक मौहल्लों में अभी भी आवारा कुत्तों की भरमार है अभियान के चलते अभी भी कुत्ते पूरी तरह से पकड़ में नहीं आ पा रहे हैं जो पकड़ से बाहर है आवारा कुत्तों का भय बच्चे एवं बड़ों के अन्दर बैठा हुआ है आवारा कुत्ते कभी भी किसी भी समय उन पर हमला कर देते हैं जिससे

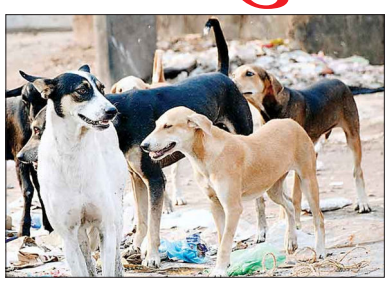

बुरी तरह घायल हो कर रह जाते हैं अभियान दौर शुरू होने से पहले आवारा कुत्तों ने कई को अपना निशाना बना कर घायल कर दिया गया था जिसमें एक मौ० आजाद नगर की एक सना उम्र वर्षीय नामक गम्भीर अवस्था एवं इलाज के दौरान उसकी मौत हो चुकी है जो गरीब परिवार से थी जिसकी आर्थिक स्थिति काफी कमजोर होने के चलते नगर के सम्भ्रात व सियासी दलों द्वारा मदद किये जाने की गुहार प्रदेश सरकार के चलते लगाई जा चुकी है आवारा कुत्तों से बच पाना अभी कठिन कार्य साबित हो पा रहा है।

पुलिस के प्रयासों के चलते चोरों का सुराग निकाले जाने को लेकर बड़ी सफलता

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। थाना अन्तर्गत ग्राम नगलिया गांव में माह सितम्बर में रात्री के समय में चार घरों को बनाया गया था निशाना, पुलिस के भर्षक प्रयासों के चलते चोरों का सुराग निकाले जाने को लेकर की जा रही थी कोशिशें पुलिस अपने प्रयासों के चलते चोरों को अपनी पकड़ में लेकर हुई सफल थाना अन्तर्गत ग्राम नगलिया में 12 सितम्बर की रात्री चार घरों को अपना निशाना बनाकर लाखों रुपये का माल समेट ले गये थे जमील के घर को भी निशाना बनाया था जिसमें चोर अपनी सफलता में काम्याब नहीं हो सके थे कुछ मुल्जिमानों को पुलिस ने अपनी पकड़ में लेकर उनको जेल भेज दिया गया है बाकी नन्हे निवासी गांव लालू वाला जो पुलिस की पकड़ से दूर चला आ रहा था जिसको शनिवार की सुबह पुलिस ने पास के गांव रफतपुर से गिरफ्तार कर लिया है उसके पास चरस व चोरी का सामान भी बरामद हुआ है पुलिस के भर्षक प्रयासों के चलते चोरों का सुराग निकाले जाने को लेकर काफी बड़ी सफलता हासिल की है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सुबह खाली पेट करें नींबू पानी का सेवन, मिलेंगे कई फायदे

मिनल्स, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटेशियम और जिंक के गुणों से भरपूर नींबू कई बीमारियों को दूर करने में मददगार है। इसके अलावा रोजाना नींबू पानी का सेवन करने से बॉडी डिटॉक्स होती और विषैले पदार्थों बाहर निकल जाते हैं, जिससे कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। सर्दियों में गर्म पानी, शहद और नींबू का सेवन करने से शरीर गर्म रहता और कई प्रॉब्लम दूर होती हैं। अधिकतर लोग वजन कम करने के लिए सुबह खाली पेट नींबू पानी पीते हैं लेकिन इसके अलावा भी नींबू पानी के ओर कई फायदे हैं। आज हम आपको नींबू पानी के उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। तो आइए जानते है नींबू पानी के सेवन से होने वाले फायदों के बारे में।

1. सुबह खाली पेट 1 गिलास नींबू पानी पीने से दिमाग तरोताजा रहता है और पूरे दिन शरीर में पानी की कमी नहीं होती।
2.नींबू पानी पीने से मुंह से आने वाली दुर्गन्ध दूर करने के साथ ही सांसों में ताजगी बनाएं रखता है।।
3. जिन लोगों को पेट संबंधित समस्याएं रहती है नींबू पानी उनके लिए लाभकारी है। नींबू पांचन तंत्र को मजबूत करता है।
4. नींबू में विटामिन्स और एंटी- ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। जिससे दाग- धब्बों साफ होने के साथ ही रंगत में भी निखार आता है।
5. सर्दियों में अकसर लोगों को जोड़ों में दर्द होने लगता है। इस मौसम में गर्म पानी में शहद डालकर पीने से इस समस्या से निजात पाई जा सकती है।
6. विटामिन सी और पोटैशियम के गुणों से भरपूर नींबू पानी रोग प्रतिशोधक क्षमता को बूस्ट करके बीमारियों से बचाता है।
7. नींबू पानी पीने से किडनी साफ होती है और बार-बार बॉशरूम जाने की समस्या से भी छुटकारा पाया जा सकता है।
8. लिवर को साफ करने के लिए रोजाना नींबू पानी का सेवन फायदेमंद होता है।
9. गले में खराश, दर्द होने पर गर्म नींबू पानी का सेवन करें । आपको तुरंत आराम मिल जाएगा।

मोटापा तेजी से बढ़ाने में सबसे आगे हैं ये 4 सफेद फूड्स

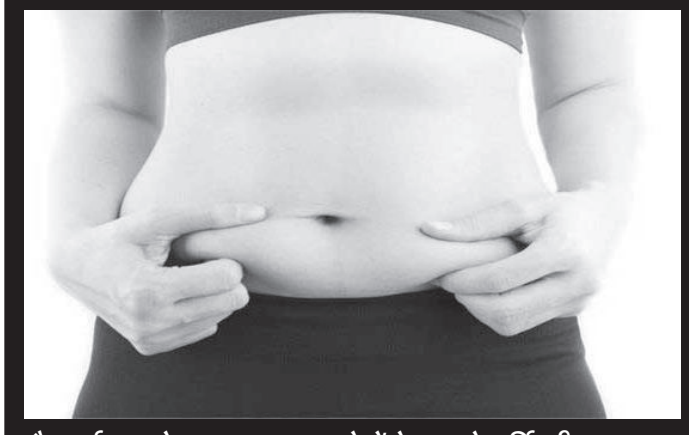

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, तनाव के कारण वजन बढ़ना आम है। इन दिनों अधिकतर लोग इस समस्या से ग्रस्त हैं। मोटापे के कारण शरीर को बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो बढ़ा हुआ वजन लोगों के सामने शर्मिंदगी का कारण भी बन जाता है। शरीर का वजन बढ़ने के पीछे और भी कई कारण हो सकते हैं जैसे गलत खानपान। हमारे डाइट में कुछ फूड ऐसे होते है जिनका सेवन रात में करने से मोटापा आने लगता है। आज हम आपको उन्हीं फूड्स के बारे में बताएंगे।

1. क्रीम
घी, क्रीम को रात के समय खाने से मोटा आने लगता है। क्रीम में फैट की मात्रा बहुत अधिक होती है इसलिए इसको खाने के बाद एक दम लेटे ना।

2. व्हाइट ब्रेड
रात के समय में भूलकर भी व्हाइट ब्रेड नहीं खाना चाहिए क्योंकि यह ब्लड शुगर को बढ़ाती है। इसमें फाइबर न होने के कारण यह शरीर में फैट को बढ़ाता है।

3. केला
केला वजन बढ़ाने में सहायक होता है। दूध और केले को साथ में खाने से प्रोटीन और शुगर साथ में मिलता है जो उन व्यक्तियों के लिए रामवाण हो जो जरूरत से ज्यादा पतले हैं। रात के समय में इनको एक साथ खाने से मोटापे के साथ ही बहुत सी बीमारिया भी होने लगती हैं।

4. मैदा
मोटापे की समस्या से बचने के लिए रात के समय मैद से बनी चीजों का सेवन न करें।

5. मक्खन
वजन बढ़ाने के लिए सफेद मक्खन खाने की सलाह दी जाती है लेकिन रात के समय इसको न खाएं।

सर्दियों में खाएं 3 खजूर मिलेंगे ये फायदे

खजूर को सर्दियों का मेवा कहा जाता है। ठंड के मौसम में इसका सेवन करने से स्किन संबंधित समस्याएं नहीं होती। खजूर में कैल्शियम, सेलेनियम, मैंगनीज, कॉपर और लवण होते हैं। जो हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करते हैं। इसके अलवा खजूर में प्रोटीन के साथ डाइटरी फाइबर और विटामिन बी1, बी2,बी3, बी5,ए1 और भी होते हैं, जो शरीर को बहुत सी बीमारियों से बचाते हैं। रोजाना खजूर खाने से शरीर को बुहत से अन्य फायदे भी होते हैं। आज हम आपको उन्हीं फायदो के बारे में बताएंगे।

1. कब्ज से राहत
खजूर में घुलनशील और अघुलनशील फाइबर पाएं जाते हैं जो पांचन तंत्र को मजबूत करते हैं। रोजाना खाली पेट खूजर का सेवन करें। इससे पेट की समस्याएं दूर होने के साथ ही कब्ज से भी छुटकारा मिलेगा।

2. ऊर्जा देना
जिन व्यक्तियों को हमेशा सुस्ती और आलस्य रहता है उनको रोजाना 2 से 4 खूजर का सेवन करना चाहिए। इसमें ग्लूकोज, फ्रक्टोज और सुक्रोज पाया जाता है जो शरीर को तुरंत ताकत पहुंचाता है।

3. वजन बढ़ाने के लिए
इसमें शुगर, विटामिन और प्रोटीन होता है जो वजन बढ़ाने में सहायक है। दुबले- पतले लोगो वजन बढ़ाने के लिए रोजाना खजूर का सेवन करें। कुछ ही हफ्तों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

4. त्वचा में निखार
खजूर खाने से चेहरे पर दिखाई देने वाली महीन रेखाएं कम होने के साथ ही त्वचा में निखार भी आने लगता है।

5. एनीमिया की समस्या से राहत
खजूर खून को बढ़ाने में हैल्पफूल है। यह शरीर में खून की कमी को पूरा करकें एनीमिया की समस्या को दूर करता है। खजूर में फ्लूरिन भी होता है जो दांतों के क्षय होने की प्रकिया को धीमी को करने में सहायक है।

6. आंखो की रोशनी बढ़ना
आजकल आंखों से संबंधित समस्याएं आम देखने को मिलती है। रोजाना खजूर का सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ने लगती हैं। कुछ हफ्तों तक लगातार खजूर का सेवन करने से आखों की रोशनी बढ़ने लगती है।

7. मुड फ्रेश करना
निराशा और उदासी को दूर करने का खजूर एक अच्छा स्त्रोत है। जब भी मन उदास या निराशा हो तो 1 या 2 खजूर का सेवन करें। आपको तुरंत आराम मिलेगा।

8. गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद
गर्भवती महिलाओं के लिए खजूर बहुत फायदेमंद है। इस दौरान खजूर खाने से प्रैग्नेंसी में होने वाली बीमारियों से राहत मिल सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कार्तिक आर्यन ने साइन की अपनी पहली थ्रिलर फिल्म

बॉलिवुड के चॉकलेटी बॉय और नैशनल क्रश कहे जाने कार्तिक आर्यन अभी तक केवल कॉमिडी और रोमांटिक फिल्मों में ही नजर आए हैं। अगर आप भी कार्तिक के फैन हैं और उन्हें अलग तरह की फिल्मों में देखना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए हैं। सुनने में आया है कि कार्तिक आर्यन अब दूसरे जॉनर में भी हाथ आजमाने वाले हैं और उन्होंने अपनी पहली थ्रिलर फिल्म साइन की है। खबर के मुताबिक, कार्तिक आर्यन ने 'नीरजा' जैसी सुपरहिट फिल्म बना चुके डायरेक्टर राम माधवानी की अगली फिल्म साइन की है। यह एक थ्रिलर फिल्म होगी। इस फिल्म की स्क्रिप्ट कार्तिक आर्यन को काफी पसंद आई और वह इस फिल्म को करने के लिए तुरंत राजी हो गए। एक सूत्र ने बताया, इस फिल्म की शूटिंग मुंबई की कई अलग-अलग लोकेशंस पर होगी और इसे एक ही शेड्यूल में पूरा किया जाएगा। यह फिल्म एक महीने में शूट की जानी है फिर भी मेकर्स ने 2 हफ्ते एक्सट्रा रखे हैं। अभी इस फिल्म का प्री-प्रॉडक्शन चल रहा है।

एक बटन दबाने से आपकी अहमियत कम-ज्यादा नहीं होती: आलिया

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से बॉलीवुड में नेपोटिज्म की डिबेट को हवा दे दी गई थी। जो मुद्दा पहले सिर्फ कुछ ही मौकों पर उठाया जाता था, वो आम बोलचाल का हिस्सा बन गया। कंगना रनौत जैसी कई सेलेब्स ने इस मुद्दे के जरिए पूरे बॉलीवुड पर निशाना साधा। एक्ट्रेस आलिया भट्ट को भी नेपोटिज्म की वजह से काफी ट्रोल किया गया। उनकी फिल्म सड़क 2 को भी फ्लॉप हो गई। अब आलिया भट्ट के इंस्टाग्राम पर 50 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। इस मौके पर उन्होंने अपने तमाम फैन्स का शुक्रिया अदा तो किया है, लेकिन उन्होंने इशारों-इशारों में इस बात पर गुस्सा भी जाहिर क दिया है कि ट्रोल के दम पर उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश हुई है। आलिया ने पोस्ट शेयर कर लिखा है- आज एप्रिसिएशन डे है। मेरे परिवार, दोस्तों, सभी का शुक्रिया, आपकी वजह से मुझे 50 मिलियन प्यार मिल गया है। सभी से प्यार करती हूं। मैं आप सभी के साथ कुछ शेयर करना चाहती हूं। मैंने बीते कुछ महीनों में काफी कुछ सीखा है। सोशल मीडिया हमें जोड़ता है, हमें उत्साहित भी करता है, लेकिन ये हम नहीं हैं। वहीं आलिया ने अपनी पोस्ट में इस बात पर भी जोर दिया है कि कोई इंसान सोशल मीडिया पर एक बटन, लाइक या फिर डिसलाइक के जरिए आपकी अहमियत को कम नहीं कर सकता है। इस बारे में वे कहती हैं- हम सभी की जिंदगी में रिश्तों की अहमियत काफी ज्यादा होती है।

आरक्षण पर कंगना रनौत का बड़ा बयान

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत आए दिन अपने बयानों को लेकर खूब चर्चाओं में रहती हैं। वहीं अब हाल ही में आरक्षाण के मुद्दे पर अपनी राय सभी के सामने रखी है। कंगना ने इस ट्वीट में ब्राह्मणों की स्थिति पर दुख जताते हुए कहा कि आरक्षण हमेशा गरीबी के आधार पर मिलना चाहिए। अब कंगना का ये बयान और काफी सुर्खियों में बना हुआ है। इस मुद्दे पर ट्वीट करते हुए कंगना ने अपने इस ट्वीट में लिखा, आरक्षण तो हमेशा गरीबी को आधार बनाकर देना चाहिए। जाति के नाम पर आरक्षण नहीं होना चाहिए। मुझे पता है कि राजपूत समुदाय काफी तकलीफ में है, लेकिन ब्राह्मणों की स्थिति देखकर भी बहुत दुख होता है। बता दें कि कंगना का यह ट्वीट अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होने लगा है। वहीं, दूसरी ओर कंगना रनौत और उनकी बहन रंगोली चंदेल के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना और उनकी बहन को समन जारी कर उन्हें अगले हफ्ते पेश होने के लिए कहा है।